सूचना पत्र - Hindi

स्वयं सेवक कार्य की परिभाषा और सिद्धाँत

औपचारिक स्वयं सेवक कार्य की परिभाषा

औपचारिक स्वयं सेवक कार्य एक ऐसी गतिविधि है जिसे उन संस्थाओं अथवा परियोजनाओं द्वारा किया जाता है जो इससे कोई लाभ नहीं कमातीं इसे निम्नलिखित प्रयोजन से किया जाता हैः

- समुदाय अथवा स्वयं सेवक के लाभ के लिए;
- स्वयं सेवक की अपनी इच्छा से और बिना किसी ज़ोर ज़र्बदस्ती के;
- किसी वित्तीय भुगताान के लिए नही; और
- केवल पूर्व निर्धारित स्वयं सेवक के स्थानों के लिए ही।

स्वयं सेवक कार्य के सिद्धाँत

- स्वयं सेवक कार्य से समुदाय तथा स्वयं सेवक दोनों को लाभ होता है;
- स्वयं सेवक कार्य में वेतन नहीं मिलता;
- स्वयं सेवक कार्य हमेशा अपनी इच्छा पर निर्भर है;
- स्वयं सेवक कार्य इसलिए नहीं किया जाता कि इसके कारण पेंशन या सरकारी भुगतान प्राप्त किए जाएं;
- स्वयं सेवक कार्य ऐसा वैधानिक तरीका है जिसके माध्यम से नागरिक अपने समुदाय की गतिविधियों में भाग ले सकते हैं;
- स्वयं सेवक कार्य व्यक्तियों या समूहों द्वारा किया जाने वाला ऐसा कार्य है जो मनुष्य, वातावरण और समाज की आवश्यक्ताओं पर ध्यान देता है;
- स्वयं सेवक कार्य एक ऐसी गतिविधि है जिसे लाभ प्राप्त न करने वाले वर्ग में किया जाता है;
- स्वयं सेवक कार्य वैतनिक कार्य का स्थान नहीं ले सकता;
- स्वयं सेवक न तो वेतन प्राप्त करने वाले कार्मचारियों के स्थान पर काम करते हैंऔर न उनकी नौकरी की सुरक्षा में बाधा पैदा करते हैं;
- स्वयं सेवक कार्य दूसरों के अधिकारों, सम्मान व संस्कृति का आदर करता है; और
- स्वयं सेवक कार्य मानवीय अधिकारों व समानता को बढ़ावा देता है।

Volunteering Australia
Suite 2, Level 3
11 Queens Road
Melbourne Victoria 3004
Australia

P: +61 (0)3 9820 4100
F: +61 (0)3 9820 1206
E: volaus@volunteeringaustralia.org
W: www.volunteeringaustralia.org

ARBN: 062 806 464
© 2009 Volunteering Australia